प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

शक्ति का उपयोग अच्छे कार्यों में करे : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 3 जून, 2010

जो व्यक्ति रूप, पदार्थों को देखता है किन्तु उसमं आसक्ति नहीं करता उस पर काम का आक्रमण नहीं हो सकता। जो व्यक्ति रूप के साथ अरूप को भी देखता है तो उसमें आसक्ति नहीं आएगी।

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने धम्मपद पर प्रवचन करते हुए किशनलाल नाहटा के निवास पर उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने आगे कहा कि जो व्यक्ति इन्द्रियों को गोपन करके रखने वाला होता है उसे काम आक्रांत नहीं करता। जो व्यक्ति भोजन का संयम करता है। भोजन आदि की मात्रा का विवेक करता है, गरिष्ठ भोजन नहीं करता अपनी जीभा पर नियंत्रण रखता है जिसमें धर्म के प्रति निष्ठा होती है, और जो व्यक्ति शक्ति संपन्न होता है और अपनी शक्ति का सम्यक उपयोग करता है उसे काम आक्रांत नहीं कर सकता।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि एक दुर्जन व्यक्ति अपनी शक्ति का उपयोग बुरे कार्यों, लड़ाई-झगड़े आदि में करता है और एक सज्जन आदमी दूसरों की सेवा और रक्षा करने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करता है इसी प्रकार दुर्जन व्यक्ति धन का उपयोग व्यसन आदि गलत कार्यों में करता है और सज्जन आदमी धन का उपयोग दान देने में धन्न का उपयोग करता है। हर व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाने का प्रयास करे और अपनी शक्ति का उपयोग अच्छे कार्यों में करे।

आचार्यश्री महाश्रमण ने प्रवचन के पश्चात भिक्खु जस्सरसायण का वाचन किया। स्थानीय केम्ब्रीज स्कूल के निदेशक तेजपाल चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन मुनि दिनेश कुमार ने किया।